KURUKSHETRA UNIVERSITY KURUKSHETRA

Scheme of Examination for B.A. Part-III in the Subject of Sanskrit (Elective) (Semester System)

w.e.f. Session : 2013-2014

B.A. Part-III
Fifth Semester
w.e.f. Session : 2013-2014

SANSKRIT (ELECTIVE)

कुल अङ्क : 80
आन्तरिक मूल्याङ्कन : 20
समय : 3 घण्टे

घटक-I : कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तल– प्रथम से चतुर्थ अङ्क तक। 16अङ्क

(क) दो पाठ्यांशों की सप्रसंग व्याख्या। (2×5=10अङ्क)

(ख) एक सूक्ति की व्याख्या अथवा निर्धारित अङ्कों में से किसी अङ्क का सार अथवा एक आलोचनात्मक प्रश्न। (6अङ्क)

घटक-II : कालिदास : जीवन-परिचय, काल-विवेचन, काव्य-शैली, नाट्य-शैली। 16अङ्क

घटक-III : संस्कृत साहित्य का इतिहास : 16अङ्क

वैदिकसाहित्य- संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदाङ्ग साहित्य।

घटक-IV: (क) वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी– 8अङ्क

विभक्त्यर्थप्रकरण : सूत्रव्याख्या/वाक्य-रचना/अशुद्धि-संशोधन।

(ख) अलंकार : अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अतिशयोक्ति विशेषोक्ति, विभावना, अर्थान्तरन्यास।

(भेदोपभेद को छोड़कर केवल लक्षण, उदाहरण एवं संगति) 8अङ्क

—

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का

समय तीन (3) घण्टे होगा।

2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

—

B.A. Part-III
Sixth Semester
w.e.f. Session : 2013-2014
SANSKRIT (ELECTIVE)

कुल अङ्क : 80
आन्तरिक मूल्याङ्कन : 20
समय : 3 घण्टे

घटक-I : कालिदास, अभिज्ञानशाकुन्तल– पञ्चम से सप्तम अङ्क तक। 16अङ्क
(क) दो पाठ्यांशों की सप्रसंग व्याख्या। (2×5=10अङ्क)
(ख) एक सूक्ति की व्याख्या अथवा निर्धारित अङ्कों में से किसी अङ्क का सार अथवा एक आलोचनात्मक प्रश्न। (6अङ्क)

घटक-II : कालिदास की कृतियों में जीवन-दृष्टि, राष्ट्रीय भावना, प्रकृति-चित्रण, अलङ्कार-प्रयोग। 16अङ्क

घटक-III : संस्कृत साहित्य का इतिहास : 16अङ्क
वाल्मीकि, व्यास, भवभूति, अम्बिकादत्त व्यास, भारवि, विष्णुशर्मा, भर्तृहरि, जयदेव (लेखकों और उनकी कृतियों का सामान्य परिचय)।

घटक-IV: (क) वरदराज, लघुसिद्धान्तकौमुदी– 8अङ्क
स्त्रीप्रत्ययप्रकरण : उदाहरणसहित सूत्रव्याख्या।
(ख) संस्कृत-निबन्ध (सरल विषय पर संस्कृत में एक निबन्ध) 8अङ्क

—

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।

2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

—